रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

144, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शनिवार, 27 मई, 2023 पृष्ठ: 8

डा0 आनंद कुमार सिंह सीएसए के नए कुलपति बने

अनवर अशरफ । उत्तर प्रदेश की श्री राज्यपालध्कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ आनंद कुमार सिंह को सीएसए का कुलपति नियुक्त किया है। पूर्व कुलपति डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी माह में समाप्त हो गया था। जिसके बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह को सीएसए का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया था। डॉ आनंद कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 साल के लिए की गई है ।उम्मीद जताई जा रही है डॉक्टर आनंद कुमार सिंह शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।।

अधिकतम तापमान 33.00° >> न्यूनतम तापमान 23.00° >> सूर्योदय 5:14 >> सूर्यास्त 6:52 >> डॉलर 82.74 >> यूरो

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-231 | शनिवार 27 मई 2023 | कुल पृष्ठ 16 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

'चल जिंदगी' के प्रीमियर पर मीडिया के प्रतिसाद से भावुक

डॉ. आनंद कुमार बने सीएसए के कुलपति

कानपुर। प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ आनंद कुमार सिंह को सीएसए का कुलपति नियुक्त किया है। पूर्व कुलपति डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी माह में समाप्त हो गया था। जिसके बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह को सीएसए का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया था। डॉ आनंद कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन साल के लिए की गई है। डॉक्टर आनंद कुमार सिंह जल्द ही कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।

दैनिक जागरण कानपुर 27/05/2023

आम-अमरूद की आठ प्रजातियों के जनक बने सीएसए के नए कुलपति

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का नया कुलपति डा. आनंद सिंह को बनाया गया है। वह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में उप निदेशक बागवानी के पद पर तैनात हैं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कार्यभार ग्रहण की तिथि से तीन साल तक के लिए उनकी नियुक्ति की है। वह सोमवार तक कार्यभार ग्रहण करेंगे।

नए कुलपति डा. आनंद सिंह ● संस्थान

सीएसए के नए कुलपति को आम व फलों की नर्सरी के मानकीकरण का श्रेय है। देश में शीतगृह विस्तार कर फल-सब्जी संरक्षण को बढ़ावा देने की उपलब्धि भी उनके नाम है। जौनपुर के घोसांव गांव में डा. आनंद सिंह का जन्म वर्ष 1962 में हुआ। उन्होंने बयालसी इंटर कालेज जौनपुर और उदय प्रताप कालेज वाराणसी से इंटरमीडिएट में कालेज टाप किया। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से वर्ष 1983 में बीएससी एग्रीकल्चर और वर्ष 1985 में एमएससी एग्रीकल्चर की डिग्री हासिल की। राष्ट्रीय स्कालरशिप लेकर पूसा इंस्टीट्यूट में अध्ययन किया। वर्ष 1989 में पीएचडी करने के बाद उन्होंने जापान की सागा यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी आफ कैलीफोर्निया रिवरसाइड अमेरिका से पोस्ट डाक्टरेट की उपाधि भी हासिल की है। जापान से लौटकर टाटा एनर्जी में उच्च पद पर कार्य किया। इसके भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से जुड़े और उप निदेशक बागवानी के पद पर कार्य करने से पूर्व विभिन्न संस्थानों में उच्च पदों पर कार्य किया है। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के प्रबंध निदेशक और नारियल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके हैं। विश्व वेजीटेबल सेंटर की गवर्निंग बाडी के भारत से पहले सदस्य हैं। उन्हें जापान की सागा यूनिवर्सिटी से मोबुशो अवार्ड मिल चुका है।

Dr AK Singh appointed as new CSAUA&T V-C

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Chancellor of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology (CSAUA&T) has appointed Dr Anand Kumar Singh as the new Vice-Chancellor (V-C) of the varsity. He was earlier the Deputy Director General of Indian Council of Agriculture Research. He replaces the acting V-C, Dr Bijendra Singh who had been given the additional charge of CSA in addition to Acharya Narendra Dev Agriculture and Technology University. He has been appointed to the prestigious post for a three year term.

Giving information about the appointment, media incharge and soil scientist, Dr Khalil Khan said that he has been the head of the Division, ICAR, Principal Scientist, ICAR, Senior Scientist, ICAR,Senior Scientist (Fellow), TATA Energy Research Institute, Research Scientist, TATA Energy Research Institute, Secretary, The Horticultural Society of India 2008-2012. He also holds PhD, Saga University, Japan, Post- Doc. University of California, USA. He added that his research had been centred on horticulture- genetic improvement of fruit crops, plant tissue culture and transcriptome analysis of mango

Cyber Security online courses simultaneously in seven district. The courses will be run under the expert guidance of the faculty of IIT-Kanpur. Once the course was complete the IIT-K will provide a certificate issued by the C3ihub. The course will be for eight weeks duration and will comprise lectures and practical guidance for one hour each day. The courses will be run both in English and Hindi and it will be free for SC students while for girls it will be for ₹1,000 and for boys it would be for ₹2,000. He said there was an acute trained staff shortage along with shortage of skills and knowledge and IIT-K has taken up the cudgels to tackle the current problem.

Chief Proctor of the University, Dr Pravin Katiyar, informing about the course said special sessions will be conducted on network security, current trend of cyber threats, cryptography, application security and OS security. He said majority of the college students who were in the habit of networking were unaware of security and the various threats which loomed large on those who were working online. He said in the current times application security was highly essential and thus there was an imperative need to ensure that the students were apprised about the development and design, but it also involved systems and approaches to protect apps after they got deployed. He said it included hardware, software, and procedures that identified or minimised security vulnerabilities. He said a router that prevented anyone from viewing a computer's IP address from the Internet was a form of hardware application security but security measures at the application level were also typically built into the software, such as an application firewall that strictly defined what activities were allowed and prohibited.

Dr Katiyar informed that another area to be taken up strongly was cryptography which was a term used in data communication that referred to protecting the private information shared between two parties. He said OS security in fact referred to the processes or measures taken to protect the operating system from various dangers,including viruses, worms, malware, and remote hacker intrusions. He said the students who pursue the diploma course will be prepared to take up networking challenges in the current times. He said system threats referred to misuse of system services and network connections which put user into trouble. He said system threats can

सीएसए में शिक्षा और शोध की बेहतरी के साथ रहेगा अनुशासन

साप्ताह का साक्षात्कार

कानपुर। देश के प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक प्रो. आनंद कुमार सिंह को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) का नया कुलपति बनाया गया है। वे यहां शिक्षा, शोध कार्यों की बेहतरी के साथ ही अनुशासन पर जोर रखने का लक्ष्य लेकर आ रहे हैं। उनका मानना है कि ऐसा माहौल बनाएंगे, जिससे छात्र-छात्राएं और शोधार्थी एग्री स्टार्टअप की पहल कर सकें। उन्हें अच्छी कंपनियों में नौकरी दिलाने के प्रयास भी किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 22 जिलों में कृषि तकनीक को बढ़ावा दिया जाएगा। शशांक शेखर भारद्वाज के साथ विशेष बातचीत में उन्होंने अपनी प्राथमिकताएं बताईं। प्रस्तुत हैं साक्षात्कार के प्रमुख अंश:

❍ सीएसए में शिक्षा और शोध कार्यों के लिए क्या होगा?

- विश्वविद्यालय को नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विकसित किया जाएगा, जिससे न सिर्फ छात्रों को बेहतर शिक्षा मिलेगी, बल्कि उनकी प्रतिभा में निखार आएगा। उनके लिए नए रोजगार परख कोर्स तैयार किए जाएंगे। विभागाध्यक्षों और फैकल्टी के साथ बैठक की जाएगी।

❍ विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधारने के लिए क्या करेंगे?

- शिक्षा, शोध और प्रोजेक्ट कार्यों से विश्वविद्यालय की रैंकिंग में सुधार आएगा। विश्वविद्यालय का कई अन्य संस्थानों के साथ एमओयू साइन हुआ है। उनके सहयोग से खोजनाएं तैयार की जाएंगी। इन सभी फलुओं से रैंकिंग को सुधारने का प्रयास रहेगा।

❍ नई शिक्षा नीति के अंतर्गत कौन से नए कोर्स चालू किए जा सकते हैं?

- कई सरकारी और निजी संस्थानों में कार्य किया है। वहां की शैली को देखते हुए और बाजार में मांग के अनुरूप कोर्स चालू किए जाएंगे। उसके लिए कोर्स समिति के साथ बैठक की जाएगी। छात्रों के लिए विशेष तरह की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

❍ विश्वविद्यालय की तकनीक किसानों तक कैसे पहुंचाई जाएगी?

- विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रभारी और अन्य विशेषज्ञों के साथ लगातार बैठकें की जाएंगी। छात्रों को किसानों के साथ जोड़ने का प्रयास रहेगा। नए स्टार्टअप पर फोकस होगा, जिससे युवाओं की तकनीक गांवों और किसानों तक पहुंच सके।

❍ विश्वविद्यालय की अब तक की स्थिति को किस तरह से देखते हैं?

-सीएसए काफी पुराना विश्वविद्यालय है। यहां से सफल हुए छात्र-छात्राएं देश और विदेश में अच्छे पदों पर आसीन हैं। यहां पढ़ाई के साथ ही अनुशासन को और मजबूत किया जाएगा।

❍ अनुशासन से आपका मतलब क्या है? यहां क्या व्यवस्था सही नहीं है?

- मुझे शिक्षा, शोध, प्रोजेक्ट कार्यों और यहां का अनुशासन बेहतर करने के लिए ही जिम्मेदारी दी गई है। इस पर ही कार्य किया जाएगा। विश्वविद्यालय के संबंध में सारी जानकारी है। यहां पहले भी कई बार आ चुका हूं। अधिकारियों से बातचीत हो रही है।

❍ पूर्व में छात्र विदेश के संस्थानों में जाकर प्रशिक्षण लेते थे, यह प्रक्रिया बंद हो गई है?

- विश्वविद्यालय में हुए एमओयू और अन्य प्रोजेक्ट कार्यों की समीक्षा की जाएगी। छात्र विदेश में किन संस्थानों या विश्वविद्यालय में गए हैं, उनसे बातचीत की जाएगी। सबसे पहली प्राथमिकता सीएसए को रिसर्च के लिए फंड दिलाने की रहेगी।

❍ किसानों की आय दोगुनी करने के लिए क्या किया जाएगा?

- प्रदेश के 22 जिले विश्वविद्यालय के अंतर्गत आते हैं। यहां के किसानों के उत्पादों को देश भर में प्रसिद्ध किया जाएगा। यह जिले के लिए अलग अलग योजना तैयार होगी। कई जिले तो दिल्ली के काफी नजदीक हैं, लेकिन किसानों के उत्पाद वहां तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

❍ नई प्रजातियां विकसित करने के लिए कोई विशेष तैयारी रहेगी?

- विश्वविद्यालय अब तक कई फसलों, सब्जियों और अनाजों की प्रजातियां विकसित कर चुका है। इसका काफी नाम है। नई प्रजातियों के विकास के लिए अन्य संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ करार किया जाएगा।

❍ विश्वविद्यालय से शहरवासियों को सब्जियां और अनाज मिल रहे थे। यह व्यवस्था बंद कर दी गई?

- शहरवासियों को विश्वविद्यालय के फार्म में उगने वाली सब्जियों और अन्य उत्पादों का स्वाद मिल सकेगा। इसके लिए व्यवस्था बनाई जाएगी। इसमें किसानों और किसान उत्पादक समूहों को जोड़ा जाएगा।

प्रो. सिंह सोमवार को संभालेंगे कार्यभार

कानपुर। राज्यपाल व चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने प्रो. आनंद कुमार सिंह को नया कुलपति नियुक्त किया है। वे सोमवार को कार्यभार संभालेंगे। इस समय वे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (बागवानी) के पद पर तैनात हैं। सीएसए में पूर्व कुलपति डॉ. डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी माह में समाप्त हो गया था, जिसके बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह को सीएसए का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया था। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जन्मे प्रो.सिंह ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय तक शिक्षा प्राप्त की है।

डॉ. आनंद कुमार सिंह बने सीएसए के कुलपति

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ.आनंद कुमार सिंह को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। बताते चलें कि पूर्व कुलपति डॉ.डी.आर. सिंह का कार्यकाल जनवरी माह में समाप्त होने के बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह को सीएसए का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया था। नवनियुक्त कुलपति डॉ.आनंद कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 साल के लिए की गई है ।

हिंदुस्तान कानपुर 27/05/2023

डॉ. आनंद सिंह होंगे सीएसए विवि के नए कुलपति

कानपुर। सीएसए के नए कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह होंगे। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को डॉ. आनंद कुमार सिंह ज्वाइन करने की तिथि से लेकर अगले तीन साल तक कुलपति नियुक्त किया है। डॉ. सिंह वर्तमान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में उपनिदेशक-बागवानी पद पर कार्यरत हैं। विवि के पूर्व कुलपति डॉ. डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो गया था।

अमर उजाला कानपुर 27/05/2023

डॉ. आनंद कुमार सीएसए के नए कुलपति

कानपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में उपनिदेशक-बागवानी पद पर कार्यरत डॉ. आनंद कुमार सिंह को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) का नया कुलपति नियुक्त किया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को डॉ. सिंह को तीन साल के लिए कुलपति नियुक्त किया है। डॉ. सिंह अगले सप्ताह तक कार्यभार संभाल सकते हैं। बता दें कि सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी 2023 में समाप्त हो गया था। इसके बाद राज्यपाल ने आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह को कार्यवाहक कुलपति की जिम्मेदारी दी थी। (ब्यूरो)

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 321 कानपुर, शनिवार 27 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

पीवी सिंधू मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में 10

डॉ आनंद कुमार सिंह बने नए कुलपति

कानपुर । उत्तर प्रदेश की राज्यपाल/कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ आनंद कुमार सिंह को सीएसए का कुलपति नियुक्त किया है। पूर्व कुलपति डीआर सिंह का कार्यकाल जनवरी माह में समाप्त हो गया था। जिसके बाद आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह को सीएसए का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया था। डॉ आनंद कुमार सिंह की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 3 साल के लिए की गई है ।उम्मीद जताई जा रही है डॉक्टर आनंद कुमार सिंह शीघ्र ही कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 27 मई • 2023

डॉ. आनंद बने सीएसए के नए कुलपति

कानपुर। प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीवेन पटेल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप
देशक वागवानी डॉ. आनंद कुमार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं गिकी विश्वविद्यालय का नया पति नियुक्त किया है। पूर्व कुलपति डीआर सिंह का कार्यकाल वीते री माह में समाप्त हो गया था। के वाद आचार्य नरेन्द्र कृषि एवं गिकी विश्वविद्यालय, फैजावाद के पति डॉ. विजेन्द्र सिंह को सीएसए कार्यवाहक कुलपति वनाया गया था। आनंद कुमार सिंह को नियुक्ति तिथि न साल के लिये कुलपति पद पर यी है।

सीएसए के नए कुलपति बने डॉ. आनंद सिंह

KANPUR (26 May): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का नया कुलपति डा. आनंद सिंह को बनाया गया है. वह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में उप निदेशक बागवानी के पद पर तैनात थे. जौनपुर के घोसांव गांव में डॉ. आनंद सिंह का जन्म 1962 में हुआ था. उन्होंने उदय प्रताप कालेज वाराणसी से 12वीं करने के बाद बीएचयू से 1983 में बीएससी 85 में एमएससी एग्रीकल्चर की डिग्री हासिल की. 1989 में पीएचडी के बाद उन्होंने जापान की सागा यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी आफ कैलीफोर्निया रिवरसाइड अमेरिका से पोस्ट डाक्टरेट की उपाधि भी हासिल की है.

डा. आनंद सिंह

डॉ. आनंद कुमार सिंह सीएसए के बनाए गए नए कुलपति

कानपुर (कान्हापुर), 26 मई (हि.स.)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक बागवानी डॉ.आनंद कुमार सिंह चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गये हैं। उप्र की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उन्हें कुलपति नियुक्त किया। यह जानकारी शुक्रवार को सीएसए के मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने दी।